बिहार कृषि विश्वविद्यालय, सबौर, भागलपुर, बिहार

ग्रामीण कृषि मौसम सेवा

बुलेटिन संख्या- 42/2025 **दिनांक-04 जून 2025**

मध्यावधि मौसम पूर्वानुमान

(04-08 जून 2025)

ग्रामीण कृषि मौसम सेवा, बिहार कृषि विश्वविद्यालय एवं भारत मौसम विज्ञान विभाग के सहयोग से जारी मौसम पूर्वानुमान के अनुसारः-

- **भारत मौसम विज्ञान विभाग द्वारा जारी पूर्वानुमान के अनुसार, 04-08 जून के दौरान जिले के एक या दो स्थानों पर हल्की वर्षा, गरज के साथ बिजली चमकने और 30-40 किमी प्रति घंटा की रफ्तार से तेज़ हवाएं चलने की संभावना है।**
- **अधिकतम तापमान 36-37 डिग्री सेंटीग्रेड और न्यूनतम तापमान 26-27 डिग्री सेंटीग्रेड रहने की संभावना है।**
- **सापेक्ष आर्द्रता सुबह में 80-90 प्रतिशत तथा दोपहर में 25-30 प्रतिशत रहने की संभावना है।**
- **पूर्वानुमान की अवधि में 07-14 किमी/घंटा की रप्तार से अगले दो दिन पछिया और इसके बाद शेष पूर्वानुमान अवधि में पूरबा हवा चलने की संभावना है।**

फसल	समसामयिक सुझाव
धान	धान का विचड़ा बीजस्थली में लगाने का काम शुरु करें। 10 जून तक लम्बी अवधि वाले धान का विचड़ा गिराने का उपयुक्त समय है। 10 से 25 जून तक मध्यम अवधि वाले धान का विचड़ा बोने के लिए अनुकूल समय है। जो किसान धान की सीधी बुआई करना चाहते है, वे लम्बी अवधि वाले धान की किस्म की बुआई अगले सप्ताह में कर सकते हैं, इसके लिए उनके पास सिंचाई की उचित व्यवस्था हो।
मक्का	खरीफ मक्का की बुआई आसमान साफ रहने पर ही करें। खेत की जुताई में 10 से 15 टन गोबर की सड़ी खाद प्रति हेक्टेयर की दर से व्यवहार करे। बुआई के समय प्रति हेक्टेयर 30 किलो नेत्रजन, 60 किलो स्फुर एवं 50 किलो पोटाश का व्यवहार करें। अनुशंसित मक्का की किस्में जैसे सुआन, देवकी, शक्तिमान-1, शक्तिमान-2, राजेन्द्र संकर मक्का-3, गंगा-11 है।
खरीफ प्याज	खरीफ प्याज की खेती के लिए नर्सरी (बीजस्थली) की तैयारी आसमान साफ रहने पर ही करें । स्वस्थ पौध के लिए नर्सरी में गोबर की खाद अवश्य डाले। छोटी-छोटी उथली क्यारियों, जिसकी चौड़ाई एक मीटर एवं लम्बाई सुविधानुसार रखें। खरीफ प्याज के लिए एन0-53, एग्रीफाउण्ड डार्क रेड, अर्का कल्याण, भीमा सुपर किस्में अनुशंसित है। बीज गिराने के पूर्व बीजोपचार कर लें। बीज की दर 8-10 कि0ग्रा0 प्रति हेक्टेयर रखें। बीज प्रमाणित स्त्रोत से खरीदकर ही लगावें।
सब्जीयाँ	भिंडी एवं बोरा जैसे फल वाली सब्जियों में नत्रजन का उपरिवेशन करें एवं कीट नियंत्रण हेतु मैलाथियान 2 मि0ली0 प्रति लीटर पानी में घोल बनाकर 7-10 दिनों के अन्तराल पर फल तोड़ने के बाद दो बार छिड़काव करें। कद्दु वर्गीय सब्जियों में चूर्णिलअसिता रोग का आक्रमण होने पर केराथेन 1.5 ग्राम प्रति लीटर या 25 कि0लो0 सल्फर पाउडर प्रति हेक्टेयर की दर भुरकाव करें। वर्तमान मौसम में लत्तर वाली सब्जियों जैसे नेनुआ, करैला, लौकी (कद्दू), और खीरा फसलों में फल मक्खी कीट की निगरानी करें। इस कीट का प्रकोप शुरू होते ही 1 किलोग्राम छोआ (गुड़), 2 लीटर मैलाथियान 50 ई0सी0 को 1000 लीटर पानी मे घोल कर प्रति हेक्टेयर की दर से 15 दिनों के अन्तराल पर दो बार छिड़काव मौसम साफ रहने पर करें।
लीची	लीची तोड़ने के बाद, खासकर बरसात शुरू होने से पहले बगीचे की जुताई करें और खाद-उर्वरकों का प्रयोग करें। प्रति प्रौढ़ पेड़ 60 से 80 किलोग्राम सड़ी गोबर की खाद, 2.5 किग्रा यूरिया, 1.5 किग्रा सिंगल सुपर फॉस्फेट, 1.3 किग्रा म्युरेट ऑफ पोटाश व 50 ग्राम सुहागा मिलाकर वृक्ष के चारों ओर समान रूप से मिट्टी में मिला दें।
पशुपालन	गलाघोटू एवं लंगड़ी रोग से बचाव के लिए सभी दुधारू पशुओ में टीकाकरण अवश्य कराये।

(डॉ. नेहा पारीक)
वैज्ञानिक

(डॉ. बीरेंद्र कुमार)
नोडल पदाधिकारी